

उन्हें निर्धारित अवधि में लौटानी पड़ती है। ways and means

**अर्थ्य** वि. (तत्.) 1. माँगने योग्य, जिसकी चाह हो 2. उचित, उपयुक्त 3. बुद्धिमान 4. धनी पुं. शिलाजीत।

**अर्दन** पुं. (तत्.) 1. पीड़न 2. दलन 3. हिंसा 4. याचना वि. पीड़क, हिंसक, बेचैन।

**अर्दली** पुं. (तत्.) दे. अरदली ।

**अर्दित** वि. (तत्.) 1. पीड़ित 2. दलित 3. याचित पुं. एक वात-रोग जिसमें पेशियाँ अकड़ जाती हैं।

**अर्द्ध, अर्ध** वि. (तत्.) 1. अधूरा, आधा 2. किसी वस्तु के दो समान भागों में से एक पुं. आधा भाग।

**अर्द्धगिनी स्त्री.** (तत्.) दे. अर्धागिनी।

**अर्द्धचंद्र** पुं. (तत्.) दे. अर्धचंद्र।

**अर्द्धचंद्रिका स्त्री.** (तत्.) दे. अर्धचंद्रिका।

**अर्धांग** पुं. (तत्.) 1. आधा अंग 2. अर्धांगघात, पक्षाघात या लकवा।

**अर्ध** वि. (तत्.) जो किसी वस्तु के माप/मान/परिमाण की दृष्टि से किए गए दो समान भागों में से एक हो, आधा ।

**अर्ध आयु** पुं. (तत्.) भौ. किसी रेडियोएक्टिव पदार्थ की निर्धारित मात्रा के आधे परमाणुओं के विपरीत हो जाने की अवधि स्त्री. (तत्.) आयु. किसी औषधि के शरीर में प्रविष्ट होने के बाद की वह अवधि जिसमें उसका आरंभिक प्रभाव आधा रह जाता है half life, half life period (सामान्य) वह लघु अवधि जिसमें कोई पदार्थ निष्क्रिय हो जाने से पहले सक्रिय रहता है।

**अर्धक** वि. (तत्.) 1. आधा 2. दो भागों में बाँटने वाला, विभाजक।

**अर्धकुशल** पुं. (तत्.) (कर्मचारी या मजदूर) जो कौशल-आधारित कार्य करने में पूर्णतः सक्षम न हो, जिसमें अपेक्षित कौशल यथेष्ट मात्रा में न हो।

**अर्धगुणसूत्र** पुं. (तत्.) गुणसूत्रों के आधे हिस्से जो कोशिका विभाजन के दौरान व्यक्त होते हैं।

**अर्धगोल** पुं. (तत्.) 1. गोलाद्ध 2. कुछ गोलाई ली हुई आकृति वि. जो पूरी तरह गोल न हो उदा. तरबूज अर्धगोल होता है।

**अर्धचंद्र** पुं. (तत्.) 1. आधा चाँद, अष्टमी का चाँद 2. अनुनासिकता का चिह्न 'चंद्रबिंदु' 3. मोर पंख पर बनी आँख 4. चंद्रबिंदु गरदनिया, गलहस्त देना, 'गरदन के पीछे से पकड़कर बाहर निकालना'।

**अर्धचंद्रिका** पुं. (तत्.) कनफौड़ा नामक लता।

**अर्धचालक** वि. (तत्.) वह पदार्थ जिसकी समान ताप पर प्रतिरोधकता विद्युत्प्ररोधी पदार्थ और धातु की प्रतिरोधकता के बीच की होती है, उदा. जर्मेनियम, सिलिनियम, सिलिकान आदि। semi conductor

**अर्धचालक युक्ति स्त्री.** (तत्.) एक प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक युक्ति जिसके मूल अभिलक्षण किसी अर्ध-चालक के भीतरी वाहकों के प्रवाह पर निर्भर करते हैं।

**अर्धचेतन** वि. (तत्.) जो पूरी तरह चेतन अर्थात् होश में न हो, जो आधी चैतन्यावस्था में हों।

**अर्धतत्सम शब्द** पुं. (तत्.) 1. किंचित स्वनपरिवर्तन के साथ 2. संस्कृत से सीधे हिंदी में गृहीत शब्द, उदा. रतन<रत्न।

**अर्धतान स्त्री.** (तत्.) संगीत के स्वरग्राम में दो स्वरों के बीच का सबसे छोटा अंतराल जैसे- शुद्ध 'ग' और शुद्ध 'म' के बीच।

**अर्धदृष्टिता स्त्री.** (तत्.) 1. दृष्टिक्षेत्र के आधे भाग का दिखाई न पड़ना।

**अर्धनत** वि. (तत्.) शा.अर्थ. आधा झुका हुआ प्रशा. राजकीय शोक व्यक्त करने के लिए ध्वज-स्तंभ की आधी लंबाई तक उतारा गया राष्ट्रध्वज। half mast

**अर्धनयन** पुं. (तत्.) देवताओं के मस्तक पर तीसरी आँख।

**अर्धनराच** पुं. (तत्.) एक प्रकार का तीर या बाण।

**अर्धनाराच** पुं. (तत्.) दे. अर्धनराच

**अर्धनारीश, अर्धनारीश्वर** पुं. (तत्.) शिव और पार्वती का संयुक्त या संपृक्त रूप।